http://krishipravahika.vitalbiotech.org/

कृषि प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

e-ISSN: 2583 – 0430

कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका, (2024) वर्ष 4, अंक 7, 5-7

Article ID: 377

महागौनी (स्वेतेनिया महागोनी) आधारित कृषि वानिकी प्रणालियों से किसानों को लाभ

अनुष्का अग्निहोत्री प्रीति बरगाह** रमेश कुमार यादव*****

सिल्विकल्चर और कृषिवानिकी विभाग

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज, अयोध्या 224229 उत्तर प्रदेश

महागौनी (स्वेतेनिया महागोनी), जिसे आमतौर पर अमेरिकी महोगनी, क्यूबा खोगनीः छोटे महोगनी और पश्चिम भारतीय महोगनी के रूप में जाना आता है। यह एक मध्यम आकार का अर्थ-सदाबहार वृक्ष है जो 30-35 इंटर लंबा होता है। पतियां पिननेट, 12-25 सेंटीमीटर (4.7-9.8 इच) सबी होती हैं। इसके फूल छोटे होते हैं। भारत और कुछ अफ्रीकी देशों में लोकप्रिय इस पौधे का उपयोग प्राचीन शान से मलेरिया, मधुमेह और दस्त जैसी बीमारियों में इसके गुणकारी गुपों के लिए जाना जाता है। यह एक एंटी-पायरेटिक, कड़वा टॉनिक के रूप में उपयोग किया जाता है। आधुनिक संगीत वाद्य यंत्र बनाने के लिए उपयोग की जाती है ल टेनिन का एक स्रोत है और इसका इस्तेमाल रंगाई के लिए कि जाता है

महोगनी आधारित कृषि वानिकी प्रणाली की कृषि पद्धतियाँ

महोगनी (Mahogany) की खेती एक दीर्घकालिक निवेश है जो उच्च गुणवत्ता की लकड़ी का उत्पादन करती है। इस वृक्ष की खेती के लिए कुछ विशेष कृषि तकनीकों का पालन करना आवश्यक होता है। यहाँ महोगनी की खेती के लिए आवश्यक प्रक्रियाएँ दी गई हैं:

1. जलवायु और मिट्टी की आवश्यकताएँ

जलवायु: महोगनी के पेड़ उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय जलवायु में अच्छी तरह पनपते हैं। इन्हें 25°C से 35°C के तापमान की आवश्यकता होती है और वार्षिक वर्षा 1000-2000 मिमी होनी चाहिए।

मिट्टी: महोगनी के लिए गहरी, उपजाऊ, और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी सर्वोत्तम होती है। यह वृक्ष दोमट मिट्टी, लाल दोमट मिट्टी, या बलुई दोमट मिट्टी में अच्छी तरह बढ़ता है। मिट्टी का pH 6.5 से 7.5 के बीच होना चाहिए।

2. नर्सरी प्रबंधन

बीज का चयन: स्वस्थ और परिपक्व महोगनी फलों से बीज एकत्र किए जाते हैं। बीज ताजे होने चाहिए, क्योंकि महोगनी के बीजों का अंकुरण दर समय के साथ घटता है।

बीज उपचार: बीजों को बोने से पहले पानी में 24 घंटे भिगोना चाहिए, जिससे उनका अंकुरण बेहतर हो सके।

अंकुरण: बीजों को उगाने के लिए अच्छी तरह तैयार किए गए बिस्तरों या पॉलीथीन बैग्स में बोया जाता है। अंकुरण 2-4 सप्ताह में होता है।

3. भूमि की तैयारी

भूमि की तैयारी: भूमि को पहले से तैयार करना आवश्यक है। इसके लिए गहरी जुताई करें और मिट्टी को भुरभुरी बनाएं। खरपतवार को हटा दें और यदि आवश्यक हो, तो जैविक खाद का उपयोग करें।

गड्ढे तैयार करना: महोगनी के पौधों के लिए 60 x 60 x 60 सेमी के गड्ढे तैयार करें। गड्ढों को 2-3 महीने पहले खोदना चाहिए ताकि मिट्टी अच्छी तरह से खुली और सूख जाए। गड्ढे में जैविक खाद और गोबर की खाद मिलाएं।

4. रोपण

रोपण का समय: मानसून के मौसम की शुरुआत में (जून-जुलाई) रोपण करना सबसे अच्छा होता है, जब मिट्टी में पर्याप्त नमी हो।

पौधों का रोपण: नर्सरी में उगाए गए 6-12 महीने पुराने पौधों को तैयार किए गए गड्ढों में लगाया जाता है। पौधों को गड्ढों के केंद्र में इस तरह से रखें कि उनकी जड़ें क्षतिग्रस्त न हों।

रोपण दूरी: सामान्यत: महोगनी के पौधों को 5 x 5 मीटर की दूरी पर लगाया जाता है। यह दूरी पौधों को पर्याप्त स्थान और पोषक तत्व प्राप्त करने में मदद करती है।

5. सिंचाई और देखभाल

सिंचाई: रोपण के बाद पहले दो वर्षों तक नियमित रूप से सिंचाई करें, खासकर शुष्क मौसम में। पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए मिट्टी को हमेशा नम रखें।

खाद और पोषण: शुरुआती वर्षों में महोगनी के पौधों को जैविक खाद और गोबर की खाद दी जाती है। इसके अलावा, फास्फोरस और पोटेशियम युक्त उर्वरक भी उपयोगी होते हैं।

खरपतवार नियंत्रण: पौधों के चारों ओर की मिट्टी को साफ और खरपतवार रहित रखें। इसके लिए नियमित निराई-गुड़ाई करें।

प्रूनिंग (छँटाई): पहले तीन वर्षों तक महोगनी के पौधों की छँटाई करना आवश्यक होता है, ताकि एक सीधा और मजबूत तना विकसित हो सके।

6. रोग और कीट प्रबंधन

रोग: महोगनी के पेड़ कुछ सामान्य रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं, जैसे कि फंगल रोग और रूट रोट। इनसे बचने के लिए फंगलनाशकों का उपयोग करें और पानी के जल-जमाव से बचें।

कीट: महोगनी के पेड़ के पत्तों और तनों पर कीटों का आक्रमण हो सकता है। इन्हें नियंत्रित करने के लिए जैविक कीटनाशकों का उपयोग करें और नियमित रूप से पेड़ों की जांच करें।

7. कटाई

कटाई का समय: महोगनी के पेड़ को पूर्ण परिपक्वता तक पहुँचने में 20-25 वर्ष लगते हैं। हालांकि, 15-20 वर्षों के बाद पेड़ की लकड़ी की कटाई की जा सकती है।

कटाई की विधि: पेड़ों की कटाई सावधानीपूर्वक करें, ताकि लकड़ी को नुकसान न हो। कटाई के बाद लकड़ी को सूखने के लिए छोड़ दें, ताकि उसकी गुणवत्ता बनी रहे।

8. आर्थिक पहलू

बाजार में मांग: महोगनी की लकड़ी की उच्च मांग है, खासकर फर्नीचर और सजावटी वस्तुओं के निर्माण के लिए। इसका मूल्य अन्य लकड़ी की तुलना में अधिक होता है।

वित्तीय लाभ: महोगनी की खेती दीर्घकालिक लाभकारी निवेश है। पेड़ों की परिपक्वता के बाद, किसान उच्च गुणवत्ता की लकड़ी बेच सकते हैं, जिससे अच्छा आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

कृषि वानिकी में महोगनी की भूमिका

महोगनी को कृषि वानिकी में निम्नलिखित तरीकों से उपयोग किया जा सकता है:

1. **सिल्वी-पाश्चरल सिस्टम (Silvi-Pastoral System)**: महोगनी के पेड़ों के नीचे पशुपालन करना एक प्रभावी प्रणाली है। पेड़ों की छाया पशुओं के लिए आरामदायक वातावरण प्रदान करती है, और इसके साथ घास की अच्छी गुणवत्ता भी उगाई जा सकती है।
2. **सिल्वी-एग्रोफॉरेस्ट्री (Silvi-Agroforestry)**: महोगनी के पेड़ के साथ-साथ फसलें उगाई जा सकती हैं। इसके लिए ऐसी फसलों का चयन किया जाता है जो पेड़ की छाया को सहन कर सकें, जैसे कि अदरक, हल्दी, और अन्य छाया-पसंदीदा पौधे।
3. **सिल्वी-हॉर्टीकल्चर सिस्टम (Silvi-Horticulture System)**: महोगनी के पेड़ के नीचे फल और सब्जियों की खेती करना भी एक सफल प्रणाली हो सकती है। इससे भूमि का अधिकतम उपयोग होता है और किसान को अतिरिक्त आय प्राप्त होती है।